Hindi Murli Quiz 28-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice	Match
A	अभी तुम बच्चे जीते जी मरे हुए हो। कैसे मरे हो?	देह के अभिमान को छोड़ दिया तो बाकी रही आत्मा।
B	आत्मा पवित्र बन गई तो फिर	यह पुराना शरीर आपेही छूट जायेगा |
C	अभी तुम बच्चे समझते हो हम जीते जी इस पुरानी दुनिया से, पुराने शरीर से मर चुके हैं फिर तुम आत्मायें भी शरीर छोड़ कहाँ जायेंगी?	अपने घर।
D	पहले-पहले तो यह पक्का याद करना है	हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।
E	आत्मा कहती है-बाबा	हम आपके हो चुके, जीते जी मर चुके |
F	अब आत्मा को फरमान मिला हुआ है कि	मुझ बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। यह याद का अभ्यास पक्का चाहिए।

Q.2) जैसे बाप ऑर्डिनेंस निकालते हैं कि विकार में नहीं जाना है, ऐसे यह भी ऑर्डिनेंस निकालते हैं कि

A. किसको रोना नहीं है।
B. कभी गुस्सा नहीं करो |
C. किसी की भी देह को याद मत करो |

Q.3) सोमनाथ के साथ सोमनाथिनी भी होगी! यथा राजा रानी तथा प्रजा सब सोमनाथ सोमनाथिनी हैं।

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.4) चलते फिरते एक-दो को सावधान करना है-_____।

A. आत्मा-आत्मा भाई-भाई
B. मन्मनाभव
C. किसी की भी देह की आकर्षण में मत आओ |
D. चक्र फिराते रहो

Q.5) बाप कहते हैं-मुझे याद करो, और कोई को याद न करो। योगी तो दुनिया में कोई है नहीं।

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Explanation: बाप कहते हैं-मुझे याद करो, और कोई को याद न करो। योगी तो दुनिया में बहुत हैं। कन्या की सगाई होती है तो फिर पति के साथ योग लग जाता है ना।

Q.6) एक बाप के सिवाए और कोई को याद नहीं करना है। वानप्रस्थी जो होते हैं वह सन्यासियों का जाए संग करते हैं। वानप्रस्थ, वहाँ वाणी का काम नहीं है। आत्मा शान्त रहती है। लीन तो हो नहीं सकती। ....

A. इसलिए कहते हैं - झूटी माया झूटी काया...|
B. ड्रामा से कोई भी एक्टर निकल नहीं सकता।
C. प्यार में लीन होने की बात है |

Q.7) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice	Match
A	अगर अपने को बच्ची कहेंगे तो	वर्सा कैसे मिलेगा?
B	बाप सबको कहते हैं-रूहानी बच्चों मुझे याद करो। आत्मा कितनी छोटी है।	यह है बहुत महीन समझने की बातें।
C	मनुष्य मुख से कहते भी हैं कि आत्मा स्टॉर है, भ्रकुटी के बीच में रहती है	फिर कह देते अंगुष्ठे मिसल है।
D	मनुष्य देह-अभिमानी हैं ना	तो बनाते भी मोटे रूप में हैं।
E	भक्ति भी मनुष्य एकान्त में, कोठी में बैठ करते हैं।	तुमको तो गृहस्थ व्यवहार में, धन्धे आदि में रहते हुए बुद्धि में यह पक्का करना है-हम आत्मा हैं।
F	बाप कहते हैं-मैं तुम्हारा बाप भी इतनी छोटी बिन्दू हूँ। ऐसे नहीं कि मैं बड़ा हूँ।	मेरे में सारा ज्ञान है।

Q.8) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	आत्मा और परमात्मा दोनों एक जैसे ही हैं, सिर्फ उनको सुप्रीम कहा जाता है।	यह ड्रामा में नूंध है।
B	हनूमान की भी कितनी पूजा करते हैं लेकिन जानते कुछ भी नहीं।	बाप आकर समझाते हैं - तुम्हारी बुद्धि बन्दर मिसल हो गई है।
C	अभी तुम आये हो बेहद के बाप पास। मैं तो पुनर्जन्म रहित हूँ।	यह शरीर इस दादा का है। मेरा कोई शरीर का नाम नहीं। मेरा नाम ही है कल्याणकारी शिव।
D	शिव काशी, शिव काशी कहते रहते हैं। भक्ति मार्ग में अनेक प्रकार के नाम रख दिये हैं।	कमाई के लिए अनेक मन्दिर बनाये हैं।
E	बाप कहते हैं तुमको कोई तकलीफ नहीं देता हूँ। बहुत सहज है।	बाकी यह रावण दुश्मन तुम्हारे सामने खड़ा है।
F	बाप कहते हैं-मैं तो अमर हूँ। मैं अमर न होता तो तुमको पावन कैसे बनाऊं।	तुमको स्वीट चिल्ड्रेन कैसे कहूँ।

Q.9) **अच्छा, कोई जास्ती नहीं याद कर सकते हैं तो बाप कहते हैं सिर्फ अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो। अन्दर में यही धुन लगा दो कि**

A. हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगाकर आई हैं।

B. हम जाकर महाराजा - महारानी बनेंगे |

C. हम ही पूज्य से पुजारी और पुजारी से पूज्य बनते हैं |

Q.10) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	ब्राह्मण जीवन की पर्सनैलिटी	बुद्धि की महीनता अथवा आत्मा का हल्कापन
B	स्नेह और सहयोग के साथ शक्ति की एडीशन करो	हाईजम्प लगा लेंगे।
C	निरन्तर योगी बनने का सहज साधन	प्रवृत्ति में रहते पर-वृत्ति में रहना।
D	पर-वृत्ति अर्थात्	आत्मिक रूप।
E	जो आत्मिक रूप में स्थित रहता है	वह सदा न्यारा और बाप का प्यारा बन जाता है।
F	प्रवृत्ति में रहते आत्मिक रूप में रहने से सब खेल की तरह सहज अनुभव होगा।	बंधन नहीं लगेगा।